* शब्द *

- शब्द- वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते है।

शब्द अर्थ की दृष्टि से भाषा की सबसे छोटी इकाई है।

शब्दों का विभाजन - 4 प्रकार

① इतिहास । स्रोत । उत्पत्ति के आधार पर

② व्युत्पत्ति । रचना । बनावट के आधार पर

③ प्रयोग के आधार पर

④ अर्थ के आधार पर

* इतिहास । स्रोत । उत्पत्ति के आधार पर - 4

तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, संकर

तत्सम -

संस्कृत - पालि - प्राकृत - अपभ्रंश - अवहट्ट - खड़ी बोली (हिन्दी)

तत्सम शब्द- ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है, और आज भी उसी रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं।

* तद्भव शब्द- ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है, परन्तु पालि, प्राकृत, अवहट्ट से होते हुए हिन्दी भाषा में आये है, तद्भव कहलाते है।

पहचान- जिन शब्दों मे क्ष, त्र, क्षा, ज्ञ, ऋ, श्र आदि वर्ण होते है, वे शब्द तत्सम होते है।

जिन शब्दों में (ँ) की मात्रा होती है, वे शब्द तद्भव ~~कह~~ होते है।

तत्सम शब्दों में मिलने वाला क्ष, य, श्र, ऋ तद्भव शब्दों में क्रमशः ख, ज, स, र में परिवर्तित हो जाते है।

Ex- क्षेत्र - खेत

क्षीर - खीर

यौवन - जोवन

यमुना - जमुना

श्वसुर - ससुर

* देशज शब्द - देशज का अर्थ है, देश में जनमा ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति देश में हुई देशज कहलाते है।

तेंदुआ, चिकना, पेड़, गोंद, घोसला, खिड़की, लुँगी, लौटा, कूड़ा, चीटी, धंधा, ऊटपटांग, कोड़ी, खोखला, खुँटी, पगड़ी

डोसा, चप्पल, कपास, ठेठ, डोंगा, चकमा, खद्दर, गद्दा
इडली, करार, पखल, चट्टान, कलाई, चाट, घोंसला,
डिबिया, झरोखा, ठुमरी, बाजरा, चुटकी, खर्राटा, भिण्डी
छोरा, चुनरी, गेंदा, आहट, सरसों, ओझल, औचक, पिल्ला
गुदड़ी, कटरा, ठठेर, खिचड़ी, पेट, अचानक, घमण्ड, गद्दी
चिड़िया, जूता, अलबेला, गिरगिट, झुग्गी, अक्खड़, जुगनू
झंझट, छलांग, घोटाला, उमंग, पटाखा, झिझक, खनक,
तोंद, थैला, केला, ठसक, गाड़ी, टांग, चुड़ैल, धड़ाम

* विदेशज शब्द- विदेशज का अर्थ है विदेश में जन्मा ऐसे शब्द जिनकी उत्पत्ति विदेश में हुई परन्तु सामान्य बोलचाल में वे हिन्दी में प्रयोग किए जाते हैं।

- फारसी भाषा-

हिन्दी	दिल	दुकान	~~औलाद~~	दर्जी	गुलाब
आवाज	दलाल	दवा	गरम	आवाज	गिरफ्तार
आसमान	खुद	देहात	गल्ला	आतिशबाजी	गोला
कारीगर	खरगोश	दीवार	गिरह	प्याज	गिर्द
गवाह	छुरा	~~आफती~~	गज	दफ्तर	अनार
ताजा	जुकाम	~~अरद~~ अफती	जमीन	गोश्त	औलिया

दरबार आमदनी, नापाक, नौजवान, नापसंद, परदा
माफन

पेशा, चेहरा, गुलाब, इत्र, जिन्दगी, तरकश, बाल्टी, जुरमाना, कमीना, तनख्वाह, रंग, मुर्गा, बुखार, चाकू, चरखा, कुश्ती, कबूतर, अंजीर, अंगूर, किसमिस, बारिश, फौज, हजार सितार, सरकार, शादी, मलाई, चश्मा, जलेबी, चाश्नी, चादर, फूल, चिराग, हिन्दी, आईना, जंग, शरबत

- अरबी भाषा- किताब, जिला, तहसील, मौसम, मुहावरा, मौलवी, अखबार, आजाद, जुलूस, जहाज, अमीर, अदालत, कुर्सी, शराब, रिश्वत, आदमी, औरत, औलाद, नहर, कानून, हैजा, फकीर, दुकान, रिश्वत, दावत, तकदीर, हिम्मत, हाशिया, हवालात, मिसाल, तुर्की, कर्ज, तारीख, दवा, वारिस, किला, औसत, कब्र, कसूर, कसरत

- चीनी शब्द- चाय, चीनी, लीची, चीकू, तूफान, पटाखा

- जापानी शब्द - हाईकू (छोटी कविता) सायोनारा, रिकशा, सुनामी

- फ्रेंच - कूपन, कर्फ्यू, रिपोर्ताज, कारतूस, पुलिस, अंग्रेजी, रेस्टोरेन्ट

रूसी - वोड्का, रूबल, स्पुतनिक, मिग, सोवियत, जार, बुर्जुआ

यूनानी शब्द - टेलीफोन, एटम, एकेडमी, डेल्टा, एटलस, टेलीग्राफ, ~~बाबिल~~ बाइबिल

तुर्की शब्द - उर्दू, कुली, गलीचा, बन्दूक, बहादुर, कूच, तमंचा, नागा, तोप, चाकू, बेगम, सौगात, चोगा, लफंगा, सराय, तुर्क, बारूद, तमगा, चेचक, कलगी कैंची, ताश, बीवी, लाश, खन्जर, जालिम, गनीमत, कालीन, चम्मच, काबू, दरोगा, तोपची, बावर्ची, कुरता, सुराग, कुर्क, कुसुम, चिक

- पुर्तगाली शब्द - अचार, गिरिजा, चाबी, तंबाकू, पपीता, कमीज, पादरी, काज, गोभी, बोतल, मिस्त्री, मेज, निलाम, आलपिन, अनानास, आया, इस्पात, कमरा, पावरोटी, काफी, फीता, बाल्टी, सन्तरा, लबादा, अलकतरा, इस्त्री, गमला, गोदाम, तौलिया, कनस्तर, परात, कर्नल, पिस्तौल, साबुन, मस्तूल, सागौन, पेरू

* संकर - दो भिन्न-2 भाषाओं के शब्दों के योग से निर्मित शब्द को संकर शब्द कहते हैं, इन्हें मिश्रित शब्द भी कहते हैं।

सिनेमा + घर → (अंग्रेजी) (हिन्दी)

ऑफिस + कर्मचारी (अंग्रेजी संस्कृत)

कपडा + मिल (हिन्दी) (अंग्रेजी)

सील + बंद (अंग्रेजी) (फारसी)

विज्ञापन + बाजी (संस्कृत) (फारसी)

* व्युत्पत्ति / रचना / बनावट के आधार पर शब्द - ③

रूढ़, यौगिक, योगरूढ़

* रूढ़ - ऐसे शब्द जिनके खंड करने पर खण्डों का कोई अर्थ नहीं होता।

कलम, कसम, कमल, काजल, पानी, चंदन, रसोई, नमक, आदि।

* यौगिक - ऐसे शब्द जो दो शब्दों के योग से बने हो, यौगिक शब्द कहलाते हैं यौगिक शब्द निर्माण की 4 विधियाँ हैं।

- उपसर्ग के माध्यम से-

सु + आगत - स्वागत

आ + जीवन - आजीवन

- प्रत्यय के माध्यम से-

नमक + ईन - नमकीन

पान + वाला - पानवाला

- संधि के माध्यम से-

विद्या + आलय - विद्यालय

सरः + ज - सरोज

- समास के माध्यम से -

राष्ट्र + पति = राष्ट्रपति

Note → तत्पुरुष समास के सभी उदाहरण यौगिक शब्द के अंतर्गत आते है)

योगरूढ़- ऐसे शब्द जो दो शब्दों के योग से निर्मित हो, परन्तु उनका अर्थ किसी विशेष के लिए रूढ़ हो जाता है। बहुव्रीहि समास के उदा० योगरूढ़ के अन्तर्गत आते हैं

लम्बोदर, चक्रपाणि, वीणापाणि, जलज आदि।

* प्रयोग के आधार पर शब्द- ②

① विकारी ② अविकारी

* विकारी- जिन पर लिंग, वचन, कारक का प्रभाव डालने पर परिवर्तन हो जाता है, विकारी शब्द कहलाते हैं। विकारी शब्द 4 होते हैं।

संज्ञा सर्वनाम क्रिया विशेषण

संज्ञा - लड़का अच्छा है।
संज्ञा विशेषण

लड़की पढ़ती है।
संज्ञा क्रिया

संज्ञा- संज्ञा वह विकारी शब्द है, जिसमें किसी वस्तु, व्यक्ति, स्थान, भाव आदि का बोध होता है।

संज्ञा 5 प्रकार की है।

(1) जातिवाचक

(2) व्यक्तिवाचक

(3) भाववाचक

(4) समूहवाचक

(5) द्रव्यवाचक